Tirupati Fincorp Limited
CIN : L67120RJI1982PLC002438
Web : www.tirupatifincorp.in Email : tirupatifincorp31@gmail.com

ISO 9001 : 2008
CERTIFIED COMPANY

Corporate Office :
2nd Floor, Plot No. 36,
Pushpa Park, Daftary Road,
Malad (East), Mumbai - 400 097.
Maharashtra, India.
Contact : +91 (022) 71148504

August 31, 2024

To,
The Manager - CRD
BSE Limited,
Phiroze Jeejeebhoy Towers,
Dalal Street,
Fort, Mumbai - 400001.

Scrip Code – **539008**

Sub: Newspaper Advertisement – Disclosure under Regulation 30 and Regulation 47 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015 ("SEBI Listing Regulations")

Dear Madam/Sir,

In compliance with Regulation 30 read with Schedule III Part A Para A and Regulation 47 of ("SEBI Listing Regulations") 2015, Please find enclosed copies of the newspaper advertisements published in Jaipur (Business Remedies).

The same is also available on the Company's website viz.
www.tirupatifincorp.in

Request you to kindly take the same on record.

Thanking You,

For **TIRUPATI FINCORP LIMITED**

AMEYA DHANANJAY BODAS
Digitally signed by AMEYA DHANANJAY BODAS
Date: 2024.08.31 13:17:48 +05'30'

Ameya Dhananjay Bodas
Company Secretary & Compliance Officer

जयपुर ■ दिल्ली से प्रकाशित

बिज़नेस रेमेडीज

वर्ष : 11 । अंक : 228 भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापनों के लिए स्वीकृत व्यापार एवं विकास की आवाज मूल्य : 3 रुपए । पेज : 8 दैनिक www.businessremedies.com

जयपुर। शनिवार 31 अगस्त, 2024

पीएफ कटौती के बारे में सदस्यों को बताने की व्यवस्था विकसित करे ईपीएफओ : मांडविया

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) को निर्देश दिया कि वह सदस्यों को उनकी भविष्य निधि (पीएफ) कटौतियों के बारे में नियमित रूप से बताने की व्यवस्था विकसित करे। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक में श्रम और रोजगार मंत्री ने कहा कि इस कदम से ईपीएफ कटौती में पारदर्शिता आएगी। उन्होंने कहा कि इससे नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच भरोसा भी बढ़ेगा। मंत्रालय ने बयान में कहा कि मंत्री ने ईपीएफओ को कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) कटौती के संबंध में सभी सदस्यों के लिए एक मजबूत और पारदर्शी प्रणाली लागू करने का निर्देश दिया है। उन्होंने ईपीएफओ अधिकारियों को एक प्रभावशाली और समयबद्ध डिजिटल व्यवस्था विकसित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को उनके वेतन से की गई पीएफ कटौती के बारे में नियमित रूप से बताने के लिए यह व्यवस्था महत्वपूर्ण है।

भारतीय अर्थव्यवस्था ने 2024-25 की पहली तिमाही में दर्ज की 6.7 प्रतिशत की वृद्धि

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली (आईएएनएस)।

सांख्यिकी मंत्रालय ने आंकड़े जारी कर बताया कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 6.7 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर्ज की, जबकि वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में यह 8.2 प्रतिशत थी। युवा कार्यबल को गुणवत्तापूर्ण नौकरियां प्रदान करने वाले विनिर्माण क्षेत्र ने 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि निर्माण और बिजली क्षेत्रों ने तिमाही के दौरान दोहरे अंकों में वृद्धि दर्ज हुई है।मंत्रालय ने बताया, 'वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में समग्र वृद्धि द्वितीयक क्षेत्र (8.4 प्रतिशत) में महत्वपूर्ण वृद्धि से प्रेरित हुई है। इसमें निर्माण (10.5 प्रतिशत), बिजली, गैस, जल आपूर्ति और अन्य

उपयोगिता सेवाएं (10.4 प्रतिशत) शामिल हैं।'

आंकड़ों के अनुसार, पहली तिमाही के दौरान निजी अंतिम उपभोग व्यय और सकल स्थिर पूंजी निर्माण में क्रमशः 7.4 प्रतिशत और 7.5 प्रतिशत की वृद्धि दर देखी गई है। अगस्त के लिए आरबीआई के मासिक बुलेटिन के अनुसार, बढ़ती आय के कारण ग्रामीण खपत में सुधार के साथ 2024-25 की पहली तिमाही में कुछ सुस्ती के बाद मांग में तेजी आ रही है। मांग में तेजी से निवेश में निजी क्षेत्र की अब तक कम भागीदारी में भी तेजी आने की उम्मीद है, जो आगे चलकर विकास को गति देगा। भारत के लिए यह अच्छी खबर तब आई है, जब भू-राजनीतिक तनाव, प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में संभावित मंदी की आशंका और वित्तीय बाजार की अस्थिरता ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं पर प्रभाव डाला है। वित्त मंत्रालय भविष्य को लेकर आशावादी है। उसने इस महीने अपनी मासिक समीक्षा में कहा था कि भारतीय अर्थव्यवस्था ने जुलाई में विभिन्न आर्थिक संकेतकों में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। इस महीने जीएसटी संग्रह में पर्याप्त वृद्धि हुई और समीक्षा में कहा गया है कि ई-वे बिल जेनरेशन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो आर्थिक गतिविधियों में समग्र वृद्धि की ओर इशारा करती है। शेयर बाजार सूचकांक भी जुलाई में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गए।

कुल मिलाकर, भारत की आर्थिक गति बरकरार है। सूचकांकों के अनुसार, विनिर्माण और सेवा क्षेत्रों का विस्तार हो रहा है। कर संग्रह - विशेष रूप से अप्रत्यक्ष कर तेजी से बढ़ रहा है और इसी तरह बैंक क्रेडिट भी बढ़ रहा है।

जुलाई में उद्योग को बैंक कर्ज 10.2% बढ़ा: आरबीआई आंकड़े

बिजनेस रेमेडीज/मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा कि जुलाई, 2024 में उद्योग को बैंक कर्ज 10.2 प्रतिशत बढ़ा, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह वृद्धि 4.6 प्रतिशत थी। बैंक ऋण के संबंध में आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार, कृषि और संबद्ध गतिविधियों के लिए ऋण वृद्धि भी मजबूत रही। इसमें जुलाई, 2024 में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो एक साल पहले इसी महीने में 16.7 प्रतिशत थी। प्रमुख उद्योगों में रसायन और रासायनिक उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद और परमाणु ईंधन तथा बुनियादी ढांचे के लिए ऋण में जुलाई में सालाना आधार पर अधिक वृद्धि दर्ज की गई। दूसरी ओर मूल धातु और धातु उत्पाद तथा वस्त्र क्षेत्र के लिए ऋण में कमी आई। आरबीआई ने आगे कहा कि सेवा क्षेत्र के लिए ऋण वृद्धि जुलाई में सालाना आधार पर 19.7 प्रतिशत से कम होकर 15.4 प्रतिशत रह गई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों और व्यापार क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कम ऋण वृद्धि के कारण ऐसा हुआ। वाणिज्यिक अचल संपत्ति, पर्यटन, होटल और रेस्तरां तथा कंप्यूटर सॉफ्टवेयर में ऋण वृद्धि जुलाई, 2024 के दौरान तेज रही। आरबीआई ने आगे कहा कि व्यक्ति गत ऋण वृद्धि जुलाई में सालाना आधार पर 18.4 प्रतिशत से घटकर 17.8 प्रतिशत रही। ऐसा मुख्य रूप से अन्य व्यक्ति गत ऋण और वाहन ऋण की रफ्तार में कमी के चलते हुआ।

आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर जुलाई में सुस्त पड़कर 6.1 प्रतिशत रही

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली। कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में गिरावट के कारण जुलाई में आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर घटकर 6.1 प्रतिशत रह गई है। हालांकि, यह मासिक आधार पर जून के 5.1 प्रतिशत से ज्यादा रही है। जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। जुलाई, 2023 में आठ बुनियादी उद्योगों-

कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली क्षेत्र का उत्पादन 8.5 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह (अप्रैल-जुलाई) में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 6.1 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 6.6 प्रतिशत की दर से बढ़ा था।

अप्रैल-जुलाई में राजकोषीय घाटा पूरे साल के लक्ष्य का 17.2 प्रतिशत रहा

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली।

चालू वित्त वर्ष के पहले चार माह में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा पूरे वित्त वर्ष के लक्ष्य का 17.2 प्रतिशत रहा है। सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। महालेखा नियंत्रक (सीजीए) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, कुल मिलाकर राजकोषीय घाटा जुलाई के अंत तक 2,76,945 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष (2023-24) की इसी अवधि में घाटा बजट अनुमान (बीई) का 33.9 प्रतिशत था। केंद्रीय बजट में सरकार ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में राजकोषीय घाटे को सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 4.9 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा है। वित्त वर्ष 2023-24 में राजकोषीय घाटा जीडीपी का 5.6 प्रतिशत था। कुल

मिलाकर, सरकार का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के दौरान राजकोषीय घाटे को 16,13,312 करोड़ रुपये तक सीमित रखना है। चालू वित्त वर्ष के पहले चार महीनों के लिए केंद्र सरकार के आय-व्यय के आंकड़ों का खुलासा करते हुए सीजीए ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के लिए शुद्ध कर राजस्व 7.15 लाख करोड़ रुपये या बजट अनुमान का 27.7 प्रतिशत था।जुलाई, 2023 के अंत तक शुद्ध कर राजस्व संग्रह अनुमान का 25 प्रतिशत था। जुलाई तक के चार महीनों में केंद्र सरकार का कुल व्यय 13 लाख करोड़ रुपये या बजट अनुमान का 27 प्रतिशत रहा। एक साल पहले समान अवधि में यह खर्च बजट अनुमान का 30.7 प्रतिशत था। कुल व्यय में से 10,39,091 करोड़ रुपये राजस्व खाते में और 2,61,260 करोड़ रुपये पूंजी खाते में थे। कुल राजस्व व्यय में से 3,27,887 करोड़ रुपये ब्याज भुगतान के लिए तथा 1,25,639 करोड़ रुपये प्रमुख सब्सिडी के लिए थे। सीजीए ने कहा कि जुलाई तक केंद्र द्वारा करों के हिस्से के रूप में राज्य सरकारों को 3,66,630 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए गए हैं, जो पिछले वर्ष की तुलना में 57,109 करोड़ रुपये अधिक है।

भारतीय कंपनियों को वैश्विक स्तर पर ही नहीं, आपस में भी सहयोग करने जरूरत : गोयल

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने घरेलू कंपनियों से एक-दूसरे का समर्थन करने और सामान खरीदने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे उन्हें दीर्घावधि में लाभ होगा तथा वैश्विक महामारी जैसी किसी भी बाधा से सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने भारतीय उद्योग जगत को देश में हाल ही में स्वीकृत 12 औद्योगिक शहरों (टाउनशिप) में कारोबारी अवसर तलाशने का सुझाव भी दिया, क्योंकि इससे विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा। मंत्री ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। गोयल ने उद्योग जगत के लोगों को ऑनलाइन संबोधित करते हुए कहा, '' हमें भारत को एक ब्रांड बनाने की जरूरत है। हमें एक-दूसरे का समर्थन करने की जरूरत है। उद्योग जगत को न केवल अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ, बल्कि एक-दूसरे के साथ भी भागीदार बनने की जरूरत है। आप सभी को एक-दूसरे का समर्थन करने की जरूरत है।'' उन्होंने कहा, '' एक भारतीय कंपनी द्वारा किसी अन्य भारतीय कंपनी से उत्पाद खरीदने से वास्तव में ऐसा परिदृश्य बनाने में मदद मिलेगी, जो किसी भी व्यवधान से दीर्घावधि में खुद को सुरक्षित रखने में मदद करेगा। दो युद्ध, लाल सागर संकट, एमपॉक्स (मंकीपॉक्स), चारों ओर मंडरा रही एक नई वैश्विक महामारी...हमारे पास विश्व को लेकर चिंतित होने के लिए पर्याप्त बातें हैं।'' मंत्री ने कहा कि देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) तेज गति से बढ़ रहा है, लेकिन विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि एक स्तर पर ही बनी हुई है।

शेयर बाजारों में तेजी जारी, मजबूत वैश्विक रुख से सेंसेक्स-निफ्टी नये शिखर पर पहुंचे

बिजनेस रेमेडीज/मुंबई। वैश्विक बाजारों में मजबूती के रुख और विदेशी कोषों की लिवाली के चलते शु वार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गए।

सूचकांक में बड़ी हिस्सेदारी रखने वाली कंपनियों भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक और इन्फोसिस के शेयरों में खरीदारी से भी बाजार धारणा को बल मिला।

लगातार 9वें कारोबारी सत्र में तेजी के साथ, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 231.16 अंक या 0.28 प्रतिशत चढ़कर 82,365.77 अंक के सर्वकालिक उच्चस्तर पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 502.42 अंक या 0.61 प्रतिशत उछलकर 82,637.03 अंक के नए रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

बीएसई पर कुल 2,228 शेयरों में तेजी आई, जबकि 1,701 में गिरावट आई और 116 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 83.95 अंक या 0.33 प्रतिशत बढ़कर 25,235.90 अंक के नये सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। निफ्टी लगातार 12वें दिन तेजी के साथ

बंद हुआ। दिन के कारोबार में यह 116.4 अंक या 0.46 प्रतिशत बढ़कर 25,268.35 अंक के नये उच्चस्तर पर पहुंचा था।

जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''वैश्विक बाजार सितंबर में ब्याज दरों में कटौती के अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आश्वसन से प्रभावित हैं। अमेरिकी और भारतीय बाजारों ने हाल के उच्चस्तर को फिर से हासिल कर लिया है।' पूरे सप्ताह की बात करें तो बीएसई सेंसेक्स 1,279.56 अंक या 1.57 प्रतिशत चढ़ा है, जबकि निफ्टी 412.75 अंक या 1.66 प्रतिशत के लाभ में रहा है।

सेंसेक्स पिछले नौ दिन की लगातार तेजी में 1,941.09 अंक या 2.41 प्रतिशत बढ़ा। निफ्टी 12 सत्रों की लगातार तेजी में 1,096.9 अंक या 4.54 प्रतिशत चढ़ा।

सरकार वित्तीय प्रौद्योगिकी क्षेत्र के लिए नीतिगत स्तर पर विभिन्न कदम उठा रही है: पीएम

बिजनेस रेमेडीज/मुंबई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि सरकार वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत स्तर पर विभिन्न कदम उठा रही है। मोदी ने कहा कि इस क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों में 31 अरब डॉलर से अधिक का निवेश हुआ है। 'एंजल टैक्स' को समाप्त करना भी इस क्षेत्र की वृद्धि की दिशा में एक कदम है। एंजल कर (30 प्रतिशत से अधिक की दर से आयकर) का मतलब वह आयकर है जो सरकार गैर-सूचीबद्ध कंपनियों या स्टार्टअप द्वारा जुटाई गई धनराशि पर लगाती है..यदि उनका मूल्यांकन कंपनी के उचित बाजार मूल्य से अधिक है। प्रधानमंत्री ने यहां 'ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2024' को संबोधित करते हुए नियामकों से साइबर धोखाधड़ी रोकने तथा लोगों की डिजिटल समझ बढ़ाने के लिए और कदम उठाने का आह्वान किया।

भारत के ई-कॉमर्स बाजार का आकार 2028 तक बढ़कर 292 अरब डॉलर हो सकता है : रिपोर्ट

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली(आईएएनएस)। देश में ऑनलाइन शॉपिंग का चलन और इंटरनेट की पहुंच बढ़ने के कारण ई-कॉमर्स बाजार 18.7 प्रतिशत की औसत दर से बढ़कर साल 2028 तक 292.3 अरब डॉलर पहुंच सकता है। जो इस साल के 147.3 अरब डॉलर की तुलना में दोगुना है।

डेटा और एनालिटिक्स कंपनी ग्लोबलडाटा की नई रिपोर्ट में बताया गया है कि देश में ई-कॉमर्स भुगतान का भविष्य काफी अच्छा है। इसकी वजह देश में ऑनलाइन शॉपिंग करने वालों की संख्या में इजाफा होना है। साथ ही सरकार की पहल जैसे 'मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' से भी इस विकास को मदद मिल रही है। रिपोर्ट के अनुसार, देश में ई-कॉमर्स तेज गति से बढ़ रहा है। इस साल इसके 23.8 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

ग्लोबलडाटा के रवि शर्मा ने कहा कि देश

में ई-कॉमर्स मार्केट में अपट्रेंड आने वाले कुछ वर्षों तक जारी रहने की उम्मीद है। इसकी वजह ऑनलाइन मार्केट की तरफ लोगों का अधिक रुझान, भुगतान इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार और वैकल्पिक भुगतान समाधानों की लोकप्रियता बढ़ना है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2024 तक भारत में 95.4 करोड़ इंटरनेट सब्सक्राइबर्स थे। मार्च 2023 में इनकी संख्या 88.1 करोड़ थी।शर्मा ने आगे कहा कि पिछले पांच वर्ष में देश में वैकल्पिक भुगतान तेजी से लोकप्रिय हुए हैं। अमेजन पे और गूगल पे आदि लोकप्रिय पेमेंट ब्रांड हैं। साल 2023 में वैकल्पिक भुगतान का ई-कॉमर्स में मार्केट शेयर 58 प्रतिशत था। इसके बाद पेमेंट कार्ड्स 25.7 प्रतिशत के साथ दूसरे नंबर पर थे। वहीं, ऑनलाइन शॉपिंग में नकद की हिस्सेदारी कम होकर 6.2 प्रतिशत रह गई है।

NSE

Soch kar
Samajh kar
Invest kar

ज़्यादा जोखिम नहीं ले सकते?
तो मत लीजिए.

जब बात हो स्टॉक मार्केट की, तो सबसे अच्छा यही है कि आप ऐसे प्रॉडक्ट्स में निवेश करें जिनके जोखिम स्तर को देखते हुए आप कंफ़र्टेबल महसूस कर सकें. साथ ही अगर आपको पर्याप्त जानकारी, अनुभव न हो या आपमें जोखिम उठाने की चाहत न हो तो ज़्यादा जोखिम वाले निवेश से बचें.

अधिक जानकारी के लिए कृपया 1800 266 0050 पर हमें संपर्क करें अथवा QR कोड को स्कैन करें.

BUSINESS

न्यूज ब्रीफ

पैरा स्पोर्ट्स मीट में स्पेशल बच्चों ने दिखाया दमखम

बिजनेस रेमेडीज़/जयपुर। भारत के हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती के अवसर पर आईआईएस (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी) ने यूनिवर्सिटी ग्राउंड पर स्पेशल बच्चों की मौजूदगी में पैरा स्पोर्ट्स मीट के साथ राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया। इस मौके पर उमंग, उत्कर्ष, माइलस्टोन, प्रयास, निर्मल विवेक, स्वीकार, अहान फाउंडेशन, मुस्कान और दिशा स्कूलों के लगभग 120 विशेष बच्चे चेहरे पर हौसले की मुस्कान लिए मौजूद रहे। इसके अलावा राष्ट्रीय साइकिल चालक राजसिंह और प्रसिद्ध पैरा वॉलीबॉल खिलाड़ी पप्पू सिंह की मौजूदगी भी आकर्षण का केन्द्र रही। पैरा स्पोर्ट्स मीट में विशेष बच्चों ने हौसले की उडान भरते हुए हॉकी मैच में अपना दमखम दिखाया। इन बच्चों के मनोरंजन के लिए सॉफ्ट बॉल थ्रो, टॉफी और स्ट्रॉ रेस, बैलून रेस, ग्लास के साथ पिरामिड, व्हील चेयर, एथलीटों के लिए सुई और धागा जैसी कई रोचक व रोमांचक खेल गतिविधियों के अलावा देशभक्ति गीत प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। प्रत्येक प्रतिभागी को पदक प्रदान किए गए।

मुंबई में 'राइजिंग राजस्थान' रोड शो का हुआ आयोजन

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पेश की विकास की व्यापक योजनाएं

बिजनेस रेमेडीज़/जयपुर। राजस्थान सरकार ने देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में एक भव्य रोड शो का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य राज्य के विकासात्मक अवसरों और निवेश संभावनाओं को प्रमुख रूप से उजागर करना था। इस आयोजन के बाद, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मीडिया से बातचीत की और राजस्थान की आर्थिक प्रगति के लिए आगामी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। प्रेस कांफ्रेंस का आगाज राजस्थान के चीफ सेक्रेट्री सुधांश पंत ने किया। इस अवसर पर उद्योग मंत्री राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, मुख्यमंत्री सचिवालय के एसीएस शिखर अग्रवाल, उद्योग विभाग के प्रिंसिपल सेक्रेट्री अजिताभ शर्मा मौजूद थे।

प्रेस कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री शर्मा ने स्पष्ट किया कि राजस्थान सरकार ने विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों जैसे अक्षय ऊर्जा, मैन्युफैक्चरिंग, आईटी, सीमेंट, और पर्यटन में 4.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश की योजना बनाई है। इस निवेश का उद्देश्य राज्य को एक समृद्ध और विकसित प्रदेश बनाना है, जो भारत के प्रमुख आर्थिक केंद्रों में शामिल हो सके।

शर्मा ने आगामी 5 वर्षों में राजस्थान की अर्थव्यवस्था को 350 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए, राज्य सरकार ने व्यापक योजनाएं बनाई हैं और निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लक्ष्य राज्य के विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा और निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाएगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने 25 आईएएस अधिकारियों को नियुक्त किया है जो विश्व के प्रमुख देशों और भारत के बड़े शहरों में निवेशकों के साथ नियमित संपर्क में रहेंगे। इन अधिकारियों का मुख्य कार्य निवेशकों की समस्याओं का समाधान करना और उन्हें राज्य में निवेश के लिए प्रोत्साहित करना है। यह कदम यह सुनिश्चित करेगा कि निवेशक अपनी समस्याओं का समाधान त्वरित रूप से प्राप्त कर सकें और राज्य में निवेश करने में कोई कठिनाई न हो।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों और कॉर्पोरेट जगत की हस्तियों को 9-11 दिसंबर को जयपुर में आयोजित 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में शामिल होने का निमंत्रण दिया। इस समिट का उद्देश्य राज्य को एक प्रमुख निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री ने इस समिट को राजस्थान के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और सभी को इस अवसर का हिस्सा बनने के लिए आमंत्रित किया।

उद्योग और पर्यटन में संभावनाएं : मुख्यमंत्री शर्मा ने राज्य की विविध संभावनाओं की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिसमें उद्योग, कृषि, पर्यटन और वन उत्पाद शामिल हैं। उन्होंने बताया कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएं हैं और सरकार इन संभावनाओं को साकार करने के लिए योजनाबद्ध प्रयास कर रही है।

पानी की व्यवस्था : मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि और उद्योग के लिए पर्याप्त पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं बनाई गई हैं। इन योजनाओं में आरसीपी योजना, यमुना समझौता और इंदिरा गांधी नहर के सुधार शामिल हैं। ये योजनाएं न केवल कृषि को लाभान्वित करेंगी, बल्कि उद्योग और पर्यटन के लिए भी पानी की आवश्यकताओं को पूरा करेंगी।

राज्य की स्थिति : मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि राज्य ने निवेश के लिए विभिन्न स्थानों की पहचान की है और उद्योगपतियों को आमंत्रित किया है कि वे राजस्थान में निवेश करें। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार की ईमानदारी और इच्छा शक्ति से राज्य की योजनाएं सफल होंगी और राजस्थान का भविष्य उज्जवल होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में यह भी कहा कि निवेशकों की सफलता और उनके मन की कल्पना को पूरा करने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। उनका दृढ़ विश्वास है कि राजस्थान जल्द ही विकास की ऊंचाइयों को छुएगा और निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनेगा।

रोटरी क्लब जयपुर विजन का अधिष्ठापन समारोह हुआ संपन्न

अध्यक्ष मुकेश मोदी एवं सचिव सुमेरचंद जैन को शपथ दिलाई

बिजनेस रेमेडीज़/जयपुर। प्रांत पाल डॉक्टर राखी गुप्ता के अध्यक्षता में क्लब का इंस्टॉलेशन समारोह संपन्न हुआ, जिसमें उन्होंने अध्यक्ष मुकेश मोदी एवं सचिव सुमेरचंद जैन को शपथ दिलाई एवं जीओवी संपन्न किया। जॉन को-ऑर्डिनेटर रोटेरियन सुनील दत्त गोयल ने बोर्ड को शपथ दिलाई, जिसमें प्रीति शर्मा, प्रदीप नाग, दिनेश कुमार नागपाल, गुरप्रीत सिंह,अजय चौधरी, एस.बी. माथुर, हिमांशु परनामी, प्रमोद सिंह, जयदीप सिंह रंधावा, जॉन को-ऑर्डिनेटर वाई.पी. सिंह, शक्ति सिंह जादौन, कामिनी माथुर, अनिल गुप्ता, पी.एस. सोलंकी, निखिल माथुर, सुनील दत्त शर्मा एवं लालाराम प्रजापति थे।

नए मेंबरों को सहायक प्रांत पाल ओ.पी. जैन ने शपथ दिलाई। क्लब के निवर्तमान अध्यक्ष डी.के. तलवार ने सभी का स्वागत किया।

जॉन को-ऑर्डिनेटर रोटेरियन सुनील दत्त गोयल ने बताया कि इस क्लब की चार्टर्ड प्रेसिडेंट कामिनी माथुर द्वारा पर्यावरण को ध्यान में रखते हुए जो कार्य किया वह बहुत ही सराहनीय था और एक नया अनुभव हम लोगों को रहा, जिसमें इन्होंने पुष्प गुच्छ के स्थान पर चॉकलेट का गुच्छा बुके सभी अतिथियों को भेंट किया। समारोह उपरांत सभी ने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं भोजन का आनंद लिया।

राज्यपाल ने पेरिस पैरालंपिक में भारत को स्वर्ण और कांस्य मिलने पर दी बधाई

बिजनेस रेमेडीज़/जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (SH1) स्पर्धा में शुक्रवार, 30 अगस्त को भारतीय निशानेबाज अवनि लेखरा के स्वर्ण पदक प्राप्त करने पर बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने जयपुर की इस स्टार पैरा शूटर पर गर्व जताते हुए कहा कि अवनि ने विश्व भर में भारत को गौरवान्वित किया है।

बागडे ने भारत की ही मोना अग्रवाल के कांस्य पदक जीतने पर भी प्रसन्नता जताते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि इन दोनों की जीत महिला शक्ति की विजय है।

होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान के प्रतिनिधि मंडल ने पर्यटक स्थलों की समस्याओं के समाधान की रखी मांग

बिजनेस रेमेडीज़/जयपुर। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान का प्रतिनिधि मंडल पर्यटक स्थलों पर विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए पंकज धरेंद्र जी. डायरेक्टर डिपार्मेंट ऑफ आर्कियोलॉजी एवं म्यूजियम-गवर्नमेंट ऑफ राजस्थान से भेंट कर पर्यटकों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर निम्न मुख्य विषय रखे।

1. टिकट खिड़की से लेकर आमेर फोर्ट के अंदर एवं अन्य स्थानों पर सफाई एवं सार्वजनिक टॉयलेट सुविधा की सफाई प्रतिदिन समय पर की जाने की आवश्यकता।

2. आमेर फोर्ट विश्व धरोहर स्मारकों की सूची में सम्मिलित है एवं पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण का केंद्र भी है, यहां पर जीपों की अधिक संख्या होने से पार्किंग की असुविधा, ध्वनि और वायु प्रदूषण में वृद्धि हो रही है, इससे निजात पाने के लिए जीप के स्थान पर बैटरी रिक्शा प्रारंभ किया जाए, जिससे पार्किंग एवं पॉल्यूशन की समस्या से निजात मिले। सभी

रिक्शा ड्राइवर द्वारा प्रतिदिन यूनिफॉर्म का उपयोग किया जाए, जिससे पर्यटकों का विश्वास और एक अच्छा संदेश जयपुर से लेकर जाए।

3. सभी पर्यटक गाइड के स्पेसिफाइड ड्रेस हो एवं प्रत्येक के बेज पर नाम लिखा हो, जिसे अनऑथराइज्ड गाइड की पहचान हो सके।

4. हवा महल पर आने वाले पर्यटकों के लिए पार्किंग की समुचित व्यवस्था हो।

5. जयपुर की सभी दिशाओं में प्रमुख प्रवेश द्वार पर पर्यटन स्थलों की समुचित जानकारी के बैनर लगे, जिससे पर्यटक आसानी से जयपुर में अधिक से अधिक रुक कर सभी मॉन्यूमेंट्स/ दर्शनीय स्थान देख सके।

होटल फेडरेशन ऑफ़ राजस्थान ने विभाग से लगातार को-ऑर्डिनेट कर अपने सहयोग का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष हुसैन खान, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रणविजय सिंह, कोषाध्यक्ष संदीप गोगिया, कार्यकारिणी सदस्य सत्येंद्र पाल सिंह, जुनैद एवं अन्य सम्मिलित रहे।

राजस्थान में ध्वनि प्रदूषण से मनुष्यों एवं जीव जंतुओं पर पड़ रहा हानिकारक प्रभाव : डॉ मनीषा अरोड़ा

बिजनेस रेमेडीज़/जयपुर। राजस्थान में बढ़ते यातायात के ध्वनि प्रदूषण से आमजन के साथ जीव जंतुओं पर भी हानिकारक प्रभाव पड़ रहा है। जिसके चलते कान संबंधी बीमारियों के साथ उच्च रक्त चाप, मस्तिष्क पक्षाघात एवं हृदयघात की संभावना कई गुणा तक बढ़ जाती है। यह जानकारी परिवहन आयुक्त की अध्यक्षता में आयोजित क्षेत्रीय एवं जिला परिवहन अधिकारियों की वेब कांफ्रेंस में सामने आई।

परिवहन आयुक्त डॉ मनीषा अरोड़ा की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय वेब कांफ्रेंस में इण्डियन मेडिकल एसोसिएशन के नेशनल इनिशिएटिव फॉर सेफ साउंड अभियान के चेयरमैन और राजस्थान ईएनटी एसोसिएशन के सचिव डॉ पवन सिंघल ने प्रदेश के सभी क्षेत्रीय परिवहन अव जिला परिवहन

अधिकारियों को ध्वनि प्रदूषण से मनुष्यों एवं जीव जंतुओं पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूक किया।

इस दौरान डॉ पवन सिंघल ने सभी अधिकारियों से कहा कि वाहनों से उत्पन्न तेज शोर से ना केवल मनुष्य बल्कि पशु पक्षियों, जलचरों एवं सूक्ष्म जीवों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वहीं तेज शोर के कारण सुनने में कमी होना, कान में दर्द होना, असामान्य आवाज़ों(टिनिटस) का आना एवं इर्रिटेशन होता है। जिससे उच्च रक्त चाप, मस्तिष्क पक्षाघात एवं हृदयघात की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त मानसिक विकार जैसे चिड़चिड़ापन, तनाव, डिप्रेशन, स्मरण शक्ति कम होना, नींद में परेशानी होना आदि भी होते हैं। एसिडिटी, आंतों की सूजन, भूख कम लगना तथा नपुंसकता की भी समस्या होती है।

डॉ.सिंघल ने सभी से इसकी रोकथाम के लिए कहा कि पहले से ध्वनि प्रदूषण के विरुद्ध व्याप्त नियमों तथा कानूनों का कड़ाई से पालन कराया जाए और इनका उल्लंघन करने वालों का ना सिर्फ चालान किया जाये बल्कि उनके वाहन भी जब्त किए जायें। इसके उपरांत भी उल्लंघन करने पर सजा का भी प्रावधान हो। तभी हम सब तेज आवाज वाले ध्वनि प्रदूषण से बच सकेंगे।

डॉ पवन ने सभी वाहनों से प्रेशर हॉर्न, म्यूजिकल हॉर्न एवं एयर हॉर्न हटवाने और ऐसे वाहनों का चालान करने का सुझाव दिया। इसके साथ ही सभी तरह के वाहनों से साइलेंसर हटाने और साइलेंसर को तेज आवाज के लिए मॉडिफाई करवाने वालों पर भी सख़्त कार्यवाही की जाए। इसमें दुपहिया वाहन वाले भी शामिल है।

सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जायेगा

बिजनेस रेमेडीज़/भीलवाड़ा। देश में आज भी कुपोषण एक गंभीर समस्या है। कुपोषण के कारण बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बाधित होता है और वे विभिन्न बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। पोषण के सही स्तर को बनाए रखना न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य के लिए भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है। प्रदेश में कुपोषण की रोकथाम के लिए सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जायेगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. चेतेन्द्र पुरी गोस्वामी ने बताया कि पोषण की जरूरत को समझते हुए सितम्बर माह में आयोजित किये जाने वाले पोषण माह के दौरान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत विभिन्न आयु समूहों में कुपोषण की रोकथाम हेतु महिला एवं बाल विकास विभाग का सहयोग लेकर सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों के माध्यम से गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं एवं 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के साथ बार-बार सम्पर्क स्थापित किया जायेगा और उनके बेहतर स्वास्थ्य व पोषण के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा।

पोषण माह के दौरान अरबन, स्लम एरियाज व पंचायत स्तर पर विशेष ध्यान देकर 10 से 19 वर्ष की किशोरी बालिकाओं के उचित पोषण के लिए सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संवाद के माध्यम से अभियान चलाकर स्वास्थ्य व पोषण संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। सीएमएचओ डॉ. गोस्वामी ने बताया कि पोषण माह की इस वर्ष की थीम- 'सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत' रखी गयी है। पोषण माह के दौरान अनीमिया की पहचान एवं प्रबन्धन के लिए गतिविधियां आयोजित की जायेगी तथा वीएचएसएनडी सत्रों, शक्ति दिवस (प्रत्येक मंगलवार), आयुष्मान आरोग्य मंदिर एवं पोषण पुर्नवास केन्द्र आदि पर स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी सकारात्मक व्यवहार को बढावा देने के लिए व्यवहार परिवर्तन संवाद संबंधी गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा।

"हाथ की करामात"

1. **हाथ जोड़ना :** नम्रता की मुद्रा में निवेदन
2. **हाथ का सच्चा :** जो पराई चीज को कभी उठाना पसंद नहीं करता वो
3. **हाथ पोला :** हर एक के लिए अपनी जेब हल्की करने वाले का संबोधन।
4. **हाथापाई :** जब आंखों में खून उतर आता है तब होती है।
5. **हाथ उठाना :** जो पराई सम्पति को हड़पना चाहता है, चोरी करने वाले का खिताब
6. **हाथ बांधकर बैठना :** हिम्मत का हथियार डालने वाला
7. **हाथ पसारना :** गरीब की मजबूरी
8. **हाथ पांव पछाड़ना :** दर्द कर प्रगटीकरण
9. **हाथ का मैल :** सज्जन, संतोषी, पैसे को समझते हैं, दिल वाले दानवीरों की सम्यक सोच
10. **हाथ कंगन को आरसी :** जो सामने है उसके लिए प्रुफ की कहां जरूरत?
11. **हाथ पीले करना :** बेटी का पाणिग्रहण संस्कार करना हो तब मां बांप बोलते हैं।
12. **हत्थ संजए :** प्रभु महावीर के संयम की शुरूआत
13. **हत्थ पाय पल्ली छिन्न :** ब्रह्मचारी की कसौटी का प्रतीक

चिंतनशीला वसुमति जी मा.सा

समाज धर्म के मूल तत्वों से विमुख होता जा रहाः डॉ संयमलता

बिजनेस रेमेडीज़/उदयपुर। उदयपुर के हिरणमगरी से. 4 में चल रहे चातुर्मासिक प्रवचन के दौरान आज धर्मसभा में संबोधित करते हुए श्रमण संघीय साध्वी डॉ संयमलता ने कहा कि आज हमारा समाज धर्म के मूल तत्वों से विमुख होता जा रहा है। समाज के लोग भौतिक सुख के चक्कर में भागम-भाग की जिंदगी जीने लगे हैं। धर्म-साधना-आराधना, सत्संग, दान, धर्म आदि से दूर होते जा रहे हैं।

सामाजिक सरोकार मिटते जा रहा है। इस कारण हमारे बीच से शांति, प्रेम, भाईचारा समाप्त होते जा रहा है। हम अपने संस्कृति और सभ्यता के बिना पशु समान हैं। इस बात को आज कोई नहीं समझ पाते हैं। समाज में माता-

पिता एवं गुरूजनों का सम्मान के बिना हम कुछ भी नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने अपने आदर्श माता-पिता, गुरूजनों का सम्मान कर संसार के पूजनीय हुए।

उन्होंने कहा कि सत्य जीवन का सार है और अहिंसा महान धर्म है। सत्य, जीवदया, परामर्श एवं सदमार्ग जीवन में जरूरी है। सत्य और अहिंसा से समाज को नई दिशा मिलती है। सत्य मानव जीवन की अनमोल विभूति है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में एक लक्ष्य होना चाहिए, जैसे एक नदी नाले का लक्ष्य होता है। वे सागर से जाकर मिलती हैं। लक्ष्यहीन व्यक्ति अपने जीवन को यूं ही गंवा देता है। इसलिए अपने जीवन की दिशा तय करो।

साधवी सौरभप्रज्ञा ने कहा कि जहां सब कुछ पहले से ही नियत हो, वहां किसी को उपदेश देने से कोई फायदा नहीं, अंधे को रास्ता बताने का कोई फायदा नहीं, बहरा सुन नहीं सकता, परंतु आज का इंसान सब देख और सुन सकता है फिर भी चल नहीं पाता। संसार की यही स्थिति है। मानव आगे बढ़ने के रास्ते को देखते जानते हुए भी गुरु के निर्देशों को समझते हुए भी आगे नहीं बढ़ पाता है।

चातुर्मास समिति के अध्यक्ष ललित लोढ़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार से सुबह साढ़े 8 बजे जैन आगम सूत्र 'अन्तकृत दशांग सूत्र' का मूल व भावार्थ के साथ वाचन पश्चात् स्वाध्याय के विशिष्ट गुणों, सेवा, संयम, साधना, ध्यान, सद्व्यवहार पर प्रवचन होंगे। प्रतिदिन सुबह व सांयकाल प्रतिक्रमण होंगे, जो आत्मशुद्धि के लिए नितांत आवश्यक हैं।

आवश्यकता

बिजनेस रेमेडीज दैनिक समाचार पत्र को कोटा, अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, पाली में खबरों एवं विज्ञापन कार्य हेतु प्रतिनिधि की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें

बिजनेस रेमेडीज

63/118, हीरा पथ, मानसरोवर, जयपुर -302020

मोबाइल नंबर 9929106227

E-Mail: remediesbusiness@gmail.com

businessremedies@yahoo.com

निफ्टी में 25202 अंक के ऊपर तेजी देखी जा सकती है..!!

निखिल भट्ट
रिसर्च एनालिस्ट, सेबी पंजीकृत

दिनांक 02.09.2024 शेयर बाजार में ट्रेडिंग के संबंध में....

दिनांक 30.08.2024 पर निफ्टी फ्यूचर क्लोजिंग प्राइस @ 25376 पॉइंट पर :-

अगले कारोबार के लिए संभवित निफ्टी फ्यूचर 25202 अंक के मजबूत स्टॉपलॉस के साथ सबसे महत्वपूर्ण स्तर 25404 - 25474 - 25505 अंक को छू सकता है निफ्टी फ्यूचर में प्रति यात्मक के लिए 25108 रुपये का महत्वपूर्ण स्टॉपलॉस के साथ सावधानी की स्थिति....!!!

दिनांक 30.08.2024 पर बैंक निफ्टी फ्यूचर क्लोजिंग प्राइस @ 51663 पॉइंट पर :-

अगले कारोबार के लिए संभवित बैंक निफ्टी फ्यूचर 51373 अंक के मजबूत स्टॉपलॉस के साथ सबसे महत्वपूर्ण स्तर 51737 - 51808 - 52008 अंक को छू सकता है बैंक निफ्टी फ्यूचर में प्रति यात्मक के लिए 51008 रुपये का महत्वपूर्ण स्टॉपलॉस के साथ सावधानी की स्थिति....!!!

अब नजर डालते हैं फ्यूचर्स स्टॉक सम्बंधित मूवमेंट पर...!!

कोटक महिन्द्रा बैंक (1792) :- कोटक महिन्द्रा ग्रुप की इस अग्रणी कंपनी के शेयर की कीमत फिलहाल 1763 रुपये के आसपास है। 1750 रुपये के सख्त स्टॉपलॉस के साथ खरीदा जा सकने वाला यह स्टॉक 1808 से 1818 रुपये की निर्धारित लक्ष्य की संभावना है...!! 1830 रुपये पर तेजी का रुख दिखाएगा...!!

अदानी पोर्ट्स (1490) :- तकनीकी चार्ट के अनुसार 1474 रुपये के आसपास सकारात्मक ब्रेकआउटज!! 1464 रुपये के सपोर्ट से खरीदा जा सकने वाला यह स्टॉक 1507 रुपये से 1520 रुपये तक के लक्ष्य भाव की संभावना है...!!

इंडसइंड बैंक बैंक (1430) :- प्राइवेट बेंक सेक्टर के शेयर में 1447 रुपये से 1460 रुपये तक की शॉर्ट टर्म तेजी का रुख दिखाएगा,1404 रुपये के अनुमानित सख्त स्टॉपलॉस का पालन करें!!

गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (1487):- पर्सनल केर सेक्टर के शेयर में 1505 रुपये से 1520 रुपये तक की शॉर्ट टर्म तेजी का रुख दिखाएगा, 1460 रुपये के अनुमानित सख्त स्टॉपलॉस का पालन करें!!

गुजरात गेस (600) :- 10 रुपये का फेसवैल्यूका फंडामेंटल स्ट्रॉन्ग यह स्टॉक करीब 573 स्टॉप लॉस के साथ खरीदा जा सकने एलपीजी/ सीएनजी/पीएनजी सप्लायर्स सेक्टर के इस स्टॉक में लगभग 624 रुपये से 630 रुपये तक लक्ष्य की संभावना हैज!!!

महिन्द्रा एंड महिन्द्रा (2824) :- तकनीकी चार्ट के पेसेंजर कार एंड यूटिलिटी विहिक्ल्स सेक्टर के इस शेयर पर बिकवाली होने की संभावना के साथ 2797 रुपये से 2780 रुपये के आसपास लक्ष्य भाव की संभावना है । प्रति यात्मक के लिए 2870 का स्टॉपलॉस ध्यान में रखें...!!

ल्यूपिन लिमिटेड (2256) :- इस शेयर को 2288 / 2303 रुपये के आसपास ओवरबोट स्थिति दर्ज करते हुए बिकवाली की संभावना के साथ इसकी कीमत 2230 रुपये से 2208 रुपये के मूल्य स्तर के आसपास लक्ष्य की संभावना है...!!! 2313 रुपये के स्तर पर एक तेजी का माहोल..!!

लेखक सेबी पंजीकृत अनुसंधान विश्लेषक और इन्वेस्टमेंट पोइन्ट के मालिक हैं।

विशेष नोटः- डिस्क्लेमर / नीति / शर्तें www.nikhilbhatt.in के अधीन...!!!

नोटः शेयरों में निवेश करने से पूर्व निवेशको को वित्तीय सलाहकार की सलाह लेनी चाहिए।

स्लोन इंफोसिस्टम्स ने आईसीटी लैब के लिए 17.43 करोड़ का अनुबंध हासिल किया

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। आईटी हार्डवेयर अनुरूपित आईटी के साथ-साथ लैपटॉप, डेस्कटॉप, सर्वर और नेटवर्क उपकरण की बिक्री और किराया सेवा प्रदान करने में विशेषज्ञता समाधान देने वाली कंपनी स्लोन इंफोसिस्टम्स ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि भारत भर में सेवाओं ने 17.43 करोड़ मूल्य का एक बड़ा अनुबंध हासिल किया है। कंपनी को आईसीटी लैब्स की स्थापना के लिए सामग्री की आपूर्ति की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिसमें उन्नत ड्रोन तकनीक, एआई और रोबोटिक्स सेवाओं की सुविधा होगी। यह महत्वपूर्ण ऑर्डर आईटी सॉल्यूशंस की अत्याधुनिक डिलीवरी में विश्वसनीय भागीदार के रूप में कंपनी की प्रतिष्ठा को और मजबूत करता है।

यह अनुबंध, जिसमें आईटी उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है, 7 से 10 कार्य दिवसों के भीतर डिलीवरी के लिए निर्धारित है। यह तीव्र बदलाव गुणवत्ता और सेवा के उच्चतम मानक स्तर को कायम रखते हुए ग्राहकों की जरूरतों को तेजी से पूरा करने की कंपनी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंपनी अपने उत्पाद पोर्टफोलियो के विस्तार और विकास को संबोधित करने के लिए अपने ग्राहकों की तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करते कंपनी के अटूट समर्पण को उजागर कर रही है। भविष्य को देखते हुए, कंपनी उभरते हुई पेशकशों को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है और शीर्ष स्तरीय आईटी समाधान प्रदान करना जारी रखने के लिए प्रौद्योगिकियों और अपने ग्राहक आधार का विस्तार करना जारी रखे हुए है। ऑर्डर हासिल करने पर टिप्पणी करते हुए स्लोन इन्फोसिस्टम्स लिमिटेड के एमडी और अध्यक्ष राजेश खन्ना ने कहा है कि '' हम आईसीटी लैब्स परियोजना के लिए एक महत्वपूर्ण अनुबंध हासिल करने की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं। इसमें उन्नत ड्रोन तकनीक, एआई और रोबोटिक्स शामिल हैं। यह महत्वपूर्ण ऑर्डर डिलीवरी करने की हमारी क्षमता को उजागर करता है। इस प्रकार के ऑर्डर नवीन और व्यापक आईटी हार्डवेयर समाधान, उद्योग में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में हमारी स्थिति को मजबूत करते हैं। तीव्र वितरण समयरेखा दक्षता और सेवा के उच्च मानकों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।यह उपलब्धि हमारे उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करने और हमारे ग्राहकों की जरूरतों की उभरती तकनीकी को संबोधित करने के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाती है।जैसे-जैसे हम आगे बढ़ेंगे, हम उभरती प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने और आगे बढ़ने पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे। हमारा ग्राहक आधार यह सुनिश्चित करता है कि हम आईटी समाधानों में सबसे आगे रहें और बाजार में लगातार सफलता हासिल करें।''

यह करती है कंपनीः 24 वर्षों से अधिक के अनुभव के साथ, स्लोन इंफोसिस्टम्स लिमिटेड प्रमुख आईटी हार्डवेयर समाधान कंपनियों में से एक है। एचपी, लेनोवो और डेल जैसे प्रमुख ब्रांडों के साथ शीर्ष स्तरीय आईटी उपकरण बेचने और किराए पर लेने में विशेषज्ञता कंपनी उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करती है। कंपनी के कस्टम-निर्मित समाधान प्रत्येक विशिष्ट ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। कंपनी की सेवाओं में क्यूरेटेड आईटी उत्पाद, रखरखाव सेवाओं के साथ लैपटॉप किराये, सर्वर इंस्टॉलेशन और सर्वर देखभाल शामिल है। सभी का उद्देश्य सफलता के लिए व्यावसायिक संचालन को अनुकूलित करना है। कंपनी के पास 20,000 से अधिक आईटी संपत्तियां हैं और कंपनी उच्च प्रदर्शन वाले डेस्कटॉप, लैपटॉप, प्रिंटर, सर्वर, सीसीटीवी सुरक्षा हार्डवेयर और आईटी बाह्य उपकरणों का पोर्टफोलियो विविध सेवाएं प्रदान करते हैं। विश्वसनीय साझेदारी के निर्माण और त्वरित अनुकूलन क्षमता पर ध्यान देने के साथ, कंपनी बैठक में एक विश्वसनीय सहयोगी हैं। कंपनी के ग्राहकों को आईटी की तेजी से और प्रभावी ढंग से जरूरत है। आगे देखते हुए, कंपनी अपने ग्राहक आधार का विस्तार करने, उभरने पर ध्यान केंद्रित करने की योजना बना रही है। प्रौद्योगिकी और अपने ग्राहकों को सर्वोत्तम समाधान प्रदान करने के लिए कंपनी अपने उत्पादों में लगातार सुधार कर रही है। वित्त वर्ष 23024 में कंपनी ने 61.07 करोड़ की कुल आय, 6.86 करोड़ का ईबिटा और 4.19 करोड़ रुपए का कर पश्चात शुद्ध लाभ अर्जित किया है।

वैश्विक ग्राहक पोर्टफोलियो को बढ़ाने के लिए कौशल्या लॉजिस्टिक्स ने आईपीएससीओएम पीटीई लि. के साथ साझेदारी सुनिश्चित

बिजनेस रेमेडीज/नई दिल्ली। कौशल्या लॉजिस्टिक्स लिमिटेड (एनएसईः केएलएल), सीमेंट कंपनियों को लॉजिस्टिक समर्थन में विशेषज्ञता वाला एक समूह है। कंपनी ने व्यापक लॉजिस्टिक्स और माल अग्रेषण सेवाएं प्रदान करने के लिए बहुराष्ट्रीय निगम आईपीएससीओएम सिंगापुर लिमिटेड की सहायक कंपनी आईपीएससीओएम प्राइवेट लिमिटेड के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की है। यह रणनीतिक सहयोग कौशल्या लॉजिस्टिक्स के ग्राहक पोर्टफोलियो को महत्वपूर्ण रूप से विस्तारित करता है, जिससे उच्च गुणवत्ता वाले लॉजिस्टिक्स समाधानों के अग्रणी प्रदाता के रूप में कंपनी की प्रतिष्ठा मजबूत होती है। आईपीएसकॉम प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी वैश्विक उद्यमों की जटिल मांगों को पूरा करने वाली विश्वसनीय और कुशल सेवाएं प्रदान करने की कौशल्या लॉजिस्टिक्स की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। यह साझेदारी कौशल्या लॉजिस्टिक्स की मजबूत परिचालन क्षमता और विविध लॉजिस्टिक आवश्यकताओं वाले ग्राहकों को आकर्षित करने और बनाए रखने की क्षमता का एक प्रमाण है। जैसे-जैसे कंपनी बढ़ती जा रही है, यह प्रतिस्पर्धी वैश्विक बाजार में अपनी ताकत का प्रदर्शन करते हुए गुणवत्ता, दक्षता और नवाचार के अपने मूल मूल्यों को बनाए रखने के लिए समर्पित है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए कंपनी के प्रबंध निदेशक उद्धव पोद्दार ने कहा कि 'यह साझेदारी न केवल बहुराष्ट्रीय स्तर पर लॉजिस्टिक्स को संभालने की हमारी क्षमता को प्रदर्शित करती है, बल्कि प्रमुख वैश्विक कंपनियों के लिए एक विश्वसनीय लॉजिस्टिक्स भागीदार के रूप में हमारी स्थिति को भी मजबूत करती है।

आईपीएसकॉम प्राइवेट लिमिटेड के साथ यह साझेदारी हमारे ग्राहकों को नवीन, विश्वसनीय और कुशल सेवाएं प्रदान करके नई ऊंचाइयों को छूने के कौशल्या लॉजिस्टिक्स के दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। हम अपने सभी हितधारकों के साथ असाधारण मूल्य प्रदान करने और मजबूत, स्थायी संबंध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम एक सार्थक सहयोग की आशा करते हैं जो दोनों कंपनियों की वृद्धि और सफलता में योगदान देगा।'

सेलेकोर गैजेट्स के इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर बजाज फाइनेंस के साथ होम क्रेडिट, टीवीएस क्रेडिट और पाइन लैब से फाइनेंस सुविधा उपलब्ध

नई दिल्ली। बजट-अनुकूल इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में एक अग्रणी कंपनी सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड उल्लेखनीय विकास पथ पर है क्योंकि कंपनी अपने संचालन, वितरण नेटवर्क और उत्पाद श्रृंखला का विस्तार कर रही है। सेलेकोर गैजेट्स लिमिटेड, ग्राहक पहुंच और सुविधा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, अपने वित्तपोषण विकल्पों के विस्तार की घोषणा करते हुए उत्साहित है। बजाज फिनसर्व के साथ अपनी मौजूदा साझेदारी के अलावा, सेलेकोर ने हाल ही में लचीले भुगतान समाधानों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करने के लिए होम क्रेडिट, टीवीएस क्रेडिट और पाइन लैब्स के साथ सहयोगी करार किया है। यह रणनीतिक विस्तार स्मार्ट टीवी, स्मार्ट गैजेट्स, मोबाइल फोन और घरेलू उपकरणों सहित सेलेकोर की व्यापक उत्पाद श्रृंखला का वित्तपोषण कर एक विविध ग्राहक आधार की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो ग्राहकों को फाइनेंस के संबंध में अधिक विकल्प प्रदान करता है। नई साझेदारियाँ ग्राहकों को अधिक आसानी और सामर्थ्य के साथ नवीनतम तकनीक तक पहुँचने और उसका आनंद लेने में सक्षम बनाएंगी। होम क्रेडिट, टीवीएस क्रेडिट और पाइन लैब्स अपने अनुभव और नवीन वित्तीय समाधानों को सामने लाते हैं, जिससे सेलकोर ग्राहकों को उनकी व्यक्ति गत जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुरूप अनुरूप भुगतान योजनाएं प्रदान करने में सक्षम होता है। कंपनी का लक्ष्य लचीले ईएमआई विकल्प, तत्काल क्रेडिट अनुमोदन या निर्बाध डिजिटल भुगतान समाधान के माध्यम से, इन नए वित्त भागीदारों के साथ खरीदारी प्रक्रिया को सरल बनाना और समग्र ग्राहक संतुष्टि को बढ़ाना है। यह पहल उपभोक्ता अनुभव को बेहतर बनाने और अत्याधुनिक तकनीक सुनिश्चित करने के लिए सेलेकोर के चल रहे समर्पण को दर्शाती है।

'गणेश ग्रीन भारत लिमिटेड' को हेक्साट्रॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड से 7.2 मेगावाट क्षमता के मोनो क्रिस्टलीय मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए मिला 8.99 करोड़ रुपए का ऑर्डर

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। गुजरात के अहमदाबाद आधारित 'गणेश ग्रीन भारत लिमिटेड' देश की प्रमुख इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्टिंग सर्विस कंपनी है। कंपनी ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कंपनी को हेक्साट्रॉन इंडस्ट्रीज लिमिटेड से 7.2 मेगावाट के लिए 7.2 मेगावाट क्षमता के मोनो क्रिस्टलीय मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए 8.99 करोड़ रुपए का ऑर्डर मिला है। कंपनी को 7.2 मेगावाट के लिए 8,99,13,600/- (रुपये आठ करोड़ निन्यानवे लाख तेरह हजार छह सौ मात्र) में मोनो क्रिस्टलीय मॉड्यूल की आपूर्ति के लिए सभी शुल्क और कर शामिल हैं। सोलर पार्क स्थान तांडलिया और लाठीदाद, गुजरात में स्थित है। 31 मार्च 2024 तक चालू परियोजनाओं के लिए कंपनी की कुल ऑर्डर बुक 31397.57 लाख रुपए है और अब चालू परियोजनाओं के लिए कुल ऑर्डर बुक 32744.636 लाख रुपए (21.08.2024 एवं आज सूचित) हो गई है।

यह करती है कंपनीः अप्रैल 2016 में स्थापित, गणेश ग्रीन भारत लिमिटेड एक इलेक्ट्रिकल कॉन्ट्रैक्टिंग सर्विस कंपनी है। कंपनी विभिन्न सरकारी निकायों को सौर एवं विद्युत वस्तुओं व सेवाओं की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग (एसआईटीसी) सहित कई प्रकार की सेवाएं प्रदान करती है।

कंपनी ने सौभाग्य योजना, कुसुम योजना और सौर सुजला योजना जैसी विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत परियोजनाएं पूरी की हैं। इसके अतिरिक्त कंपनी ने मुख्यमंत्री निश्चय गुणवत्ता प्रभावित योजना और हर घर जल (जल जीवन मिशन) जैसी जल आपूर्ति परियोजनाओं के डिजाइन, निर्माण, स्थापना, संचालन और रखरखाव में कदम रखा है। 31 मार्च 2024 तक, कंपनी की ऑर्डर बुक में सोलर सिस्टम एवं संबद्ध सेवाओं के लिए 10 कार्य आदेश, विद्युत संविदा सेवाओं के लिए 7 कार्य आदेश और जल आपूर्ति योजना परियोजनाओं के लिए 1 कार्य आदेश शामिल हैं। उद्योग और सरकारी मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के पास तीसरे पक्ष के सलाहकारों और उद्योग विशेषज्ञों द्वारा समर्थित 10 इंजीनियरों की एक टीम है। कंपनी के ग्राहकों में आठ राज्यों के सरकारी विभाग शामिल हैं, जैसे गुजरात औद्योगिक विकास निगम (जीआईडीसी), अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी), राजस्थान नवीकरणीय ऊर्जा निगम लिमिटेड (आरआरईसीएल) और कई अन्य। कंपनी निजी क्षेत्र के संगठनों को सोलर पीवी मॉड्यूल भी बेचती है।

कूल कैप्स इंडस्ट्रीज लि. की असम स्थित नई इकाई में कॉमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हुआ

बिजनेस रेमेडीज/जयपुर। प्लास्टिक कैप क्लोजर क्षेत्र में कार्यरत देश की सबसे प्रमुख कंपनियों में से एक 'कूल कैप्स इंडस्ट्रीज लि.' ने शेयर बाजारों को सूचित किया है कि कंपनी ने कूची औद्योगिक पार्क, गांव - जब जब कूची, पोस्ट - बाराजोल, पी.एस. में स्थित नव स्थापित औद्योगिक निर्माण इकाई में कॉमर्शियल प्रोडक्शन शुरू किया है। नई इकाई कैप एवं क्लोजर निर्माण के लिए कंपनी की पांचवीं एसएसीएमएल-आधारित उत्पादन लाइन स्थापित हुई है व कंपनी सैकमी निर्मित क्लोजर की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 300,00,00,000 पीस तक बढ़ गई है। इस विस्तार से कंपनी की व्यावसायिक संभावनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

इस नई इकाई के साथ, कूल कैप्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड पूर्वी भारत की सबसे बड़ी प्लास्टिक कैप और क्लोजर कंपनी बन गई है। इससे कंपनी पूरे भारत के विभिन्न राज्यों में तीन विनिर्माण सेटअप वाली दूसरी कंपनी बन गई है। कंपनी के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में 27एमएम अलास्का कैप, 38एमएम 3 स्टार ज्यूस कैप, प्लास्टिक हैंडल 2 लीटर पीईटी बॉटल्स, 20 लीटर पीईटी जार प्लास्टिक हैंडल, 1 लीटर पीईटी प्रीफॉर्म, 500 एमएल पीईटी प्रीफॉर्म और पीईटी प्रीफॉर्म 5 लीटर Cool caps शामिल हैं।

KG PETROCHEM LIMITED

CIN : L24117RJ1980PLC001999
Regd. Office: C-171,Road No. 9J, VKI Area, Jaipur-302013, Rajasthan
E-mail: jproffice21@bhavik.biz; Website : www.kgpetro.in, Phone : 141-2331231

NOTICE OF 44TH ANNUAL GENERAL MEETING AND REMOTE E-VOTING INFORMATION

Notice is hereby given that:-

1. The 44TH Annual General Meeting ("AGM") of the Members of KG Petrochem Ltd ("The Company") will be held on Wednesday September 25, 2024 at 11:15 A.M. (IST) at the corporate office of the company situated at, 602, 6th Floor Monarch Building, Amrapali Marg, Hanuman Nagar, Vaishali Nagar, Jaipur-302021, Rajasthan.
2. In compliance of the circulars, electronic copies of Notice of AGM and the Annual Report for the financial year 2023-2024 have been sent to all the shareholders on or before August 30, 2024 whose e-mail addresses are registered with the Company/ Depository Participant(s). The requirement of sending physical copy of the Notice of AGM and Annual Report to the shareholders has been dispensed with vide MCA Circular(s) and SEBI Circular.
3. In compliance with Section 108 of the Act read with Rule 20 of the Companies (Management and Administration) Rules, 2014 (as amended) and Regulation 44 of SEBI Listing Regulations (as amended) and Secretarial Standards on General Meetings issued by the Institute of Company Secretaries of India, the Shareholders are provided with the facility to cast their votes on all resolutions set forth in the Notice of AGM using electronic voting system (e-voting) provided by CDSL. The voting rights of Shareholders shall be in proportion to the equity shares held by them in the paid up share capital of the Company as on September 18, 2024.
4. In this regards, the shareholders are hereby further informed that:
   a. The remote e-voting period shall commence 9.00 a.m. IST on Sunday, September 22, 2024 and ends at 5.00 p.m. IST on Tuesday, September 24, 2024. The remote e-voting will be disabled thereafter.
   b. Shareholders may note that:
      i. Once the vote on a resolution is cast by the shareholder, the same shall not be allowed to change it subsequently.
      ii. The facility for voting will also be made available during the AGM and those shareholders present in the AGM, who have not cast their vote on the resolutions through remote e-voting, shall be eligible to vote during the AGM.
      iii. The shareholder who have cast their votes by remote e-voting prior to the AGM may also attend the AGM, but shall not be entitled to cast their votes again; and
      iv. Only persons whose name is recorded in the register of shareholders or in the register of beneficial owners maintained by the depositories as on the cut-off date shall be entitled to avail the facility of remote e-voting or voting at the AGM.
   c. any person who acquires shares of the Company and become member of the Company after the dispatch of Notice of AGM and holding shares as on the cut-off date i.e. Wednesday, September 18, 2024 may obtain user id and password by following the procedures as mentioned in the Notice of AGM or by sending a request mail to helpdesk.evoting@cdslindia.com or jproffice21@bhavik.biz. However if a person is already registered with CDSL for e-voting then existing user id and password can be used for casting vote.
   d. In case of queries with respect to e-Voting, shareholders may refer the Frequently Asked Questions ("FAQs") and e-voting user manual available at the website or contact Mr. Rakesh Dalvi, Sr. Manager, (CDSL) Central Depository Services (India) Limited, A Wing, 25th Floor, Marathon Futurex, Mafatlal Mill Compounds, N M Joshi Marg, Lower Parel (East), Mumbai- 400013 at helpdesk.evoting@cdslindia.com or call on 022-23058542/43.

The Notice, Annual Report 2023-24 and other relevant details are available on the company's website www.kgpetro.in, website of the Stock Exchange i.e. BSE Ltd. at www.bseindia.com and on CDSL website at www.evotingindia.com.

By order of the Board
For KG Petrochem Ltd
Sd/-
Anand Singh
Company Secretary & Compliance Officer
M.No. A69726

Jaipur, August 31, 2024

TIRUPATI FINCORP LIMITED

Corporate Identity Number (CIN) – L67120RJ1982PLC002438
Regd. Office: Flat no. G2/G17, Raghuraj Enclave, Krishna Marg C-Scheme, Jaipur, Rajasthan, RJ - 302001.
Tel: +91 022 71148504 | **Email id:** tirupatifincorp31@gmail.com | **Website:** www.tirupatifincorp.in

NOTICE FOR 42ND ANNUAL GENERAL MEETING

To,
The Members,
TIRUPATI FINCORP LIMITED

Notice is hereby given that:

1. The 42nd Annual General Meeting (AGM) of the members of Tirupati Fincorp Limited (the 'Company') will be held on Saturday, September 21, 2024 at 03:00 P.M. IST through Video Conferencing/Other Audio Visual Means (VC). In compliance with General Circular numbers 20/2020, 14/2020, 17/2020, 02/2021, 02/2022, 10/2022 and 09/2023 issued by the Ministry of Corporate Affairs (MCA) and Circular number SEBI/HO/CFD/CMD1/CIR/P/2020/79, SEBI/HO/CFD/CMD2/CIR/P/2021/11,SEBI/HO/CFD/CMD2/CIR/P/2022/62,SEBI/HO/CFD/POD-2/P/CIR/2023/4 and SEBI/HO/CFD/CFD-POD-2/P/CIR/2023/167 issued by the Securities and Exchange Board of India (SEBI) (hereinafter collectively referred to as 'Circulars"), companies are allowed to hold AGMs through VC, without the physical presence of members at a common venue. Hence, the AGM of the Company is being held through VC to transact the business/(es) as set forth in the Notice of the AGM dated August 29, 2024.
2. In compliance with the Circulars, electronic copies of the Notice of the AGM and Annual Report 2023-24 have been sent to all the members whose email IDs are registered with the Depository Participant(s). These documents are also available on the website of the Company at, www.tirupatifincorp.in, on the websites of BSE at www.bseindia.com and on the website of website of NSDL https://www.evoting.nsdl.com. The dispatch of Notice of the AGM through emails has been completed on August 29, 2024.
3. The Register of Members and Share Transfer Books of the Company will remain closed from Monday, September, 16, 2024 to Friday September, 20, 2024 (both days inclusive) for the purpose of the AGM.
4. Members holding shares either in physical form or dematerialized form, as on the cut-off date i.e. Friday, September 13, 2024 may cast their votes electronically on the business/(es) as set forth in the Notice of the AGM through the electronic voting system of NSDL ('remote e-voting'). Members are hereby informed that:
   i. The business/ (es) as set forth in the Notice of the AGM may be transacted through remote e-voting or e-voting system at the AGM;
   ii. The cut-off date for determining the eligibility to vote by remote e-voting or by e-voting system at the AGM shall be Friday, September 13, 2024
   iii. The remote e-voting shall commence on Monday September 16, 2024 (9:00 a.m. IST);
   iv. The remote e-voting shall end on Friday, 20 September, 2024 (5:00 p.m. IST), thereafter e-voting module will be disabled;
5. Any person holding shares in physical form and non-individual Members, who acquire shares of the Company and becomes a Member of the Company after dispatch of the Notice and holding shares as of the cut-off date, i.e. Friday September 13, 2024, may obtain the login ID and password by sending a request at evoting@nsdl.com or the Company/ RTA. The facility for e-voting, shall also be made available to members attending the AGM through VC/OAVM, who have not already cast their vote by remote e-voting through the NSDL portal.
6. Members may note that: (i) once the vote on a resolution is cast by member, member shall not be allowed to change it subsequently; ii) The facility for voting will also be made available during the AGM, and those members present in the AGM through VC facility, who have not cast their vote on the resolutions through remote e-voting and are otherwise not barred from doing so, shall be eligible to vote through the e-voting system during the AGM. iii) The members who have cast their votes by remote e-voting prior to the AGM may also attend the AGM but shall not be entitled to cast their votes again; and iv) Only persons whose name is recorded in the register of members or in the register of beneficial owners maintained by the depositories as on the cut-off date shall be entitled to avail the facility of remote e-voting or e-voting at the AGM;
7. The detailed procedure and Instructions on remote e-voting are provided in the notes of the Notice of the AGM and same can be accessed on the website of the Company's at www.tirupatifincorp.in website of the BSE Limited at www.bseindia.com and on the website of NSDL at www.evoting.nsdl.com. Members facing any technical issue in login before/during the AGM can contact NSDL helpdesk by sending a request at evoting@nsdl.com or call at 022 - 4886 7000.
8. Members who would like to express their views during the AGM may register themselves as a speaker by sending their request from their registered email mentioning their name, DP ID and Client ID/ folio number, PAN, mobile number at: tirupatifincorp31@gmail.com between Monday, September 16, 2024 to Friday September 20, 2024. The Company reserves the right to restrict the number of questions and number of speakers, as appropriate for smooth conduct of the AGM.
9. The Register of Members and the Share Transfer Books of the Company shall remain closed from Monday, September, 16, 2024 to Friday September, 21, 2024 (both day inclusive) for the purpose of 42nd AGM and eligibility to participate in distribution of Dividend for the Financial Year 2023-24, if approved at this AGM.

By order of the Board of Directors
Sd/-
Ameya Dhananjay Bodas
Company Secretary

Place: Jaipur
Date: August 30, 2024